No. of Printed Pages : 8

BPY-011

B. A. PHILOSOPHY (BDP)

Term-End Examination

June, 2020

BPY-011 : PHILOSOPHY OF HUMAN PERSON

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : (*i*) *Answer all the five questions.*

(*ii*) *All questions carry equal marks.*

(*iii*) *Answer to the Question No. 1 and 2 should be in about **400** words each.*

---

1. What do you mean by Human Person ? Explain the importance of the study of Philosophy of Human Person. 20

Or

What are the forms of determinism ? Is freedom compatible with determinism ? Elaborate. 20

2. Explain human being in the light of evolution. Give an account of various scientific evidences supporting the same. 20

Or

Write an essay on the cultural evolution of human. 20

3. Answer any ***two*** of the following in about **200** word each :

10 each

(i) Explain human person of as 'being in need of liberation'.

(ii) How will you explain the nexus between 'gender' and 'caste' ?

(iii) Elaborate inter-subjective concept of human person according to Martin Buber.

(iv) How do different Indian philosophical systems perceive the origin of human person ? Discuss.

4. Answer any *four* of the following in about 100 words each : 5 each

(i) What is the mechanistic concept of 'life' ?

(ii) Explain the concept of human in 'Chandogya Upanisad'.

(iii) Describe Merleau-Ponty's understanding of human body.

(iv) What do you understand by Human Rights ?

(v) Explain 'Cosmocentrism'.

(vi) What do you mean by "Transmigration of Self' ?

5. Write short notes on any *five* of the following in about **100** words each : 4 each

(i) First level of liberation in Levinas

(ii) Natural Rights

(iii) Human elements of culture

(iv) Linguistic turn in philosophy

(v) Limits of Human Freedom

(vi) Rational appetite

(vii) Buddhist understanding of human person

(viii) Gender based division of labour

बी.पी.वाई.-011

बी. ए. दर्शनशास्त्र (बी.डी.पी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2020

बी.पी.वाई.-011 : मानव-व्यक्ति दर्शन

3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

(i) सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(iii) प्रश्न संख्या 1 और 2 में प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए।

व-व्यक्ति से आप क्या समझते हैं ? मानव-क्ति दर्शन के अध्ययन के महत्व की व्याख्या जिए। 20

अथवा

निर्धारणवाद के रूप क्या हैं? क्या स्वतन्त्रता निर्धारणवाद की सहगामी है ? स्पष्ट कीजिए। 20

2. उद्विकास के अनुसार मानव की व्याख्या कीजिए। इसके समर्थन में विभिन्न वैज्ञानिक प्रमाणों का विवरण दीजिए। 20

अथवा

मानव के सांस्कृतिक उद्विकास पर एक निबन्ध लिखिए। 20

3. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए : प्रत्येक 10

(i) मानव-व्यक्ति की 'स्वतन्त्रता की आवश्यकता में जीव' के रूप में व्याख्या कीजिए।

(ii) लिंग एवं जाति के मध्य सम्बन्ध की व्याख्या आप कैसे करेंगे ?

(iii) मार्टिन बुबेर के अनुसार अन्तर-विषयीनिष्ठता के प्रत्यय को स्पष्ट कीजिए।

(iv) विभिन्न भारतीय दार्शनिक सम्प्रदाय मानव व्यक्ति की उत्पत्ति को कैसे देखते हैं ? चर्चा कीजिए।

4. किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **150** शब्दों में दीजिए : प्रत्येक 5

(i) जीवन सम्बन्धी यान्त्रिकीय विचार क्या है ?

(ii) छान्दोग्य उपनिषद् में वर्णित मानव-विचार की व्याख्या कीजिए।

(iii) मानव शरीर सम्बन्धी मारले-पोन्टी की समझ का वर्णन कीजिए।

(iv) मानव अधिकारों से आप क्या समझते हैं ?

(v) 'ब्रह्माण्डकेन्द्रितवाद' की व्याख्या कीजिए।

(vi) 'आत्म-पुनर्जन्म' से आपका क्या तात्पर्य है ?

5. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों में से प्रत्येक पर लगभग **100** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : प्रत्येक 4

(i) लेविनास के अनुसार स्वतन्त्रता का प्रथम स्तर

(ii) प्राकृतिक अधिकार

(iii) संस्कृति के मानव तत्व

(iv) दर्शनशास्त्र में भाषाई मोड़

(v) मानव स्वतन्त्रता की सीमाएँ

(vi) बौद्धिक क्षुधा

(vii) मानव व्यक्ति सम्बन्धी बौद्ध दर्शन की समझ

(viii) लिंग आधारित श्रम विभाजन